

कागज पर लिखा

6/8/2025

पत्रा. पैसा हुई। प्रार्थना का हाथ ठंडा है।
ठंडा पैरों में खाली छिपा जा चुका है।
प्रार्थना-पत्र 212 रत्न प्र करि बौद्धिक नहीं।
ऊर: प्रार्थना का प्रार्थना-पत्र 212 रत्न खाली
छिपा जाता है।

पत्रावली प्र. सुमा. होकर मंगल
ले कम से आकर दार्शनिक दफ्तर है।
स

